जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ...

JAWAB DO SARKAR ™

www.jawabdosarkar.com

रेफरेंस संख्या –2021/twb/02 | E-Newsletter, Issued in Public Interest | शनिवार, 5 जून 2021

भाग-1

# आखिर नगर निगम जयपुर ग्रेटर में कौन कर रहा है, कंप्यूटर यूनिट मय ऑपरेटर, लगाने के टेंडर में घालमेली??



*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

## 15 साल से  कंपनियों का पैनल कर रहा था नगर निगम जयपुर मे कंप्यूटर मय ऑपरेटर लगाने का काम!!!

जैसा कि आपको मालूम है कि आजकल हर सरकारी काम ठेके पर कराने का चलन है,वो चाहे निर्माण से संबन्धित हो या वस्तुओं/सेवाओं की सप्लाई,ऐसा ही एक प्रचलित काम है जिसके तहत हर सरकारी विभाग मे कंप्यूटर मय ऑपरेटर लगाने का चलन है|नगर निगम जयपुर मे भी यह काम पिछले 15 वर्षों से पैनल के माध्यम से करवाया जा रहा था,पैनल व्यवस्था होने से एक फायदा था कि टेंडरों मे किसी एक फर्म की मोनोपोली नहीं थी,यदि कोई फर्म अनुबंध के विपरीत काम करती तो उसे हटा कर उसका काम अन्य फर्म को दे दिया जाता था|चूंकि पिछले साल तक जयपुर मे एक ही नगर निगम थी इसलिए निगम का पूरा काम 8 फ़र्मों मे बंटा हुआ था|

## नगर निगम जयपुर ग्रेटर मे एक फर्म के इशारे पर हो रहा है टेंडर की शर्तों मे फेरबदल,पैनल की जगह सम्पूर्ण काम एकल फर्म को देने का किया जा रहा षड्यंत्र|

जानकारों के अनुसार वर्तमान मे नगर निगम जयपुर ग्रेटर मे इस पूरे काम को पैनल की जगह एकल फर्म से करवाने का खेल खेला जा रहा है और इस पूरे खेल मे एक बड़े अधिकारी का पीए भी शामिल है|

## नए टेंडरों की कमिटी की राय नामंज़ूर|

नगर निगम ग्रेटर द्वारा नए टेंडरों की नियम शर्ते तय करने हेतु एक उच्च स्तरीय कमिटी का गठन किया गया था,जिसकी राय के अनुसार कंप्यूटर मय ऑपरेटर लगाने का कार्य पैनल द्वारा ही करना तय किया गया था,लेकिन इस कमिटी की राय दरकिनार कर,बिना मेयर की अनुमति के इस काम को एकल फर्म से कराने का खेल किया जा रहा है|एक ही कंपनी को विशेष फायदा पहुचाने के लिए बकायदा टेंडर की शर्तों मे भी बदलाव किए गए है|

## मेयर और आयुक्त मे चल रही है तनातनी,ऐसे मे फाइल मेयर तक नहीं जाये इसके लिए घटा दी टेंडर की राशि|

जयपुर नगर निगम में कमिश्नर की पिटाई, 3 पार्षदों के खिलाफ FIR

जयपुर। जयपुर नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय शुक्रवार को अराजकता का मुख्यालय बन गया। शुक्रवार को मेयर सौम्या गुर्जर और आयुक्त यज्ञमित्र देव सिंह के बीच शुरू हुई तीखी बहस से पार्षद ऐसे भड़के कि सारी सीमाएं लांघ गए। बैठक छोड़कर जा रहे आयुक्त का हाथ पकड़कर पहले धक्का-मुक्की की। फिर उनकी पिटाई कर दी। आयुक्त की शिकायत पर 3 पार्षदों पर FIR दर्ज हुई है। उधर, अपने मुखिया पर हुए हमले से गुस्साए नगर निगम के सफाई कर्मचारियों और ट्रेड यूनियन के कर्मचारियों ने मेयर और पार्षदों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मेयर के चेंबर का घेराव करते हुए कर्मचारी धरने पर बैठ गए। जानकारों के मुताबिक, विवाद का मुख्य कारण डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण करने वाली फर्म को लेकर हुआ। आयुक्त डोर टू डोर कचरा संग्रहण करने वाली फर्म के संबंध में चर्चा के लिए मेयर के चेंबर में पहुंचे थे। इस दौरान किसी बात पर मेयर और आयुक्त में हॉट-टॉक हो गई। बताया जा रहा है कि आयुक्त कंपनी को भुगतान करवाने के पक्ष में थे।

सौम्या गुर्जर, मेयर

यज्ञमित्र देव सिंह, आयुक्त

जैसा कि आप सब को समाचार पत्रों के माध्यम से ज्ञात हो गया होगा कि इस समय मेयर सौम्या गुर्जर और आयुक्त यज्ञ मित्र सिंह देव के बीच खुल कर जंग छिड़ी हुई है और मामला झगड़े और पुलिस तक आगे बढ़ चुका है,ऐसे मे यह फाइल मेयर तक नहीं जाए इसका भी इंतजाम इस टेंडर को बनाने वालों ने किया है,जानकारों के अनुसार टेंडर की राशि ही कम कर दी गयी है|जिसके लिए मेयर तक पत्रावली भेजने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी|

देखना यह है कि मामला मेयर साहिबा के संज्ञान मे आने के बाद वह इस पत्रावली को तलब करती है या नहीं|